

हौसा और जौसा माँ जाए भाई थे। वो दोनूँ ढाणी बसेसर में रह्या करें थे। उन दिनाँ म्हारे देस में इंगरेजाँ का राज था। उन्हांने लड़ाई खातिर घणे-सारे फौजी चाहिए थे। इस लिए वे लोग म्हारे देस ते आपणी फौज की भर्ती करण लाग रे थे।

एक दिन, हौसा-जौसा ने सुणया कि भर्ती का एक बड़ा मेला लागन आला था। और वो बी उनके आपणे गाम में।

उसे साँझ ने हौसा ने जौसा ते कह्या, “भाई, यो सुसरे इंगरेज सैं घणे ई चालबाज। मरे बटे म्हारा-ए खावें अर फेर हमने आँख भी दखावें सैं। मैं न्यू बूझूँ, यो सुसरी भर्ती किसे तरहाँ रुक न सकती?”

जौसा ने एक लाम्बी साँस भरी, पर बोल्या कुछ भी नहीं।

असे रात की-ए बात सै। सबे लोग आराम ते सो रे थे। जौसा चुपके-सी अपणी खाट ते नीचे उतरया अर चाल पड़या नदी की ओर। उसने एक कस्सी अपणे काँधे पे धर ली थी।

उड़े जा के उसने नदी का किनारा थोड़ा तोड़ गेरया। नदी का पाणी पास के मैदान में भरण लाग्या। सबेर होण तक सारा मैदान पाणी में डूब लिया था। भर्ती-मेला उसे मैदान में लागणा था। सो लाग न सक्या।



चित्र: अतनु राय

सुखदेव मल्होत्रा

मजिस्ट्रेट पे जुरमाना

कई दिनाँ बाद गाम में पुलस आई अर धर ले गई जौसा ने। उसे मजिस्ट्रेट के सामणे जा पेस कर्या। वो कोए इंगरेज-ए था। मजिस्ट्रेट ने जौसा को देख्या अर बोल्या, “टुमने नदी का किनारा तोरा हे। भरटी नहीं होने डी। हम टुम पर बीश रुपया जुरमाना करटा हूँ।”

यो सुणते ई जौसा बोल्या, “थारे कहण ते ई हो जात है के जुरमाणा?”

“क्या बकटे हो?” मजिस्ट्रेट ने लाल-पीला हो के कह्या था।

“तेरे कहण ते ई हो जात है के जुरमाना?” जौसा ने आपणी बात दोहराई।

तद मजिस्ट्रेट ने गरज के कह्या, “हाँ, हो जाता है।”

योह सुणते ई जौसा ने तपाक से कह्या, “तो ले, मैं तेरे पे पचाश रु. जुरमाना बोलता हूँ। मेरे कहण ते हो गया के?”

योह सुणते ही मजिस्ट्रेट को तो जाणु मिरज-सी लाग गी। तिलमिला के कहण लाग्या, “इश पागल को क्यों पकड़ लाया टुम? इशे फौरन छोड़ दो। पागल को क्या शजा देणा माँगटा?”

भाषा पृष्ठी

4 के अंक को आठ बार इस तरह लिखो कि उनका कुल जोड़ 500 हो?

एक किसान के पास कुल 12 गाएँ थी। इन गायों की यह खासियत थी कि पहली गाय 1 सेर, दूसरी गाय 2 सेर और इसी तरह बारहवीं गाय 12 सेर दूध देती थी। किसान इन गायों को अपने तीन दोस्तों में इस तरह बाँटना चाहता था कि हर एक के हिस्से में बराबर दूध आए। क्या तुम किसान की कुछ मदद करोगे?

एक परिवार में 10 सदस्य हैं – 3 पिता, 3 बेटे, 3 बेटियाँ, 2 सासैं, 2 ससुर, 1 बहू, 1 जमाई, 2 भाई और 2 बहनें। भला यह कैसे हो सकता है?